BECC-132

कला स्नातक कार्यक्रम
(बी.ए.सामान्य)
(BAG)

सत्रीय कार्य 2020–21

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–132
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.ई.–132
व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II
सत्रीय कार्य (2020–21)

प्रिय अध्येता,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है। आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं।

इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-132, व्यष्टि अर्थशास्त्र-II** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए। जुलाई 2020 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की **अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2021** है इसी प्रकार **जनवरी 2021** सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि **31 अक्टूबर, 2021** है। आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-132

सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020-21

कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य–1

इन वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर 500–500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। 20x2=40

1. (क) उपयुक्त रेखाचित्रों का प्रयोग कर एकाधिकारी प्रतियोगिता के अंतर्गत काम कर रही किसी फर्म के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक संतुलन की शर्तों की तुलना करें। **(10)**

(ख) एक पूर्ण प्रतियोगी उद्योग के समक्ष माँग फलन है : $Q = 10{,}000 - 10P$. मान लें कि उद्योग में किसी अकेली फर्म का सीमांत लागत वक्र है :

$$MC\,(Q) = 4Q + 100$$

यहाँ Q उत्पादित मात्रा और P कीमत है। बाज़ार में संतुलन कीमत क्या होगी? प्रत्येक फर्म कितना-कितना उत्पादन करेगी? **(10)**

अथवा

(क) ''एकाधिकारी प्रतियोगिता एकाधिकार तथा पूर्ण प्रतियोगिता की बाज़ार संरचनाओं के बीच की स्थिति है।'' चर्चा करें। **(5)**

(ख) निम्न चित्र पर विचार करें जहाँ पूर्ण प्रतियोगिता में, MC, ATC, AVC D और AR क्रमशः सीमांत लागत, औसत कुल लागत, औसत परिवर्ती लागत, माँग तथा औसत आगम वक्र हैं। इस चित्र के आधार पर इन प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) इस फर्म का अल्पकाल में अधिकतम लाभ उत्पादन क्या है? इस उत्पादन पर सीमांत आगम कितनी होगी?

(ii) अल्पकालिक संतुलन में इस फर्म की कुल लागत कितनी है?

(iii) अल्पकाल में फर्म लाभ कमा रही है या घाटा उठा रही है? लाभ या हानि का स्तर क्या है? क्या फर्म को काम बंद कर देना चाहिए?

(iv) संतुलन की दशा में फर्म की अचल लागत कितनी है?

(v) इस फर्म का अलाभ-हानि बिंदु कहाँ है? फर्म के लिए कामबंदी कीमत क्या है?

(vi) यदि अचल लागत में वृद्धि हो जाए तो फर्म के अल्पकालिक अधिकतम लाभ वाले उत्पादन स्तर पर क्या प्रभाव होगा?

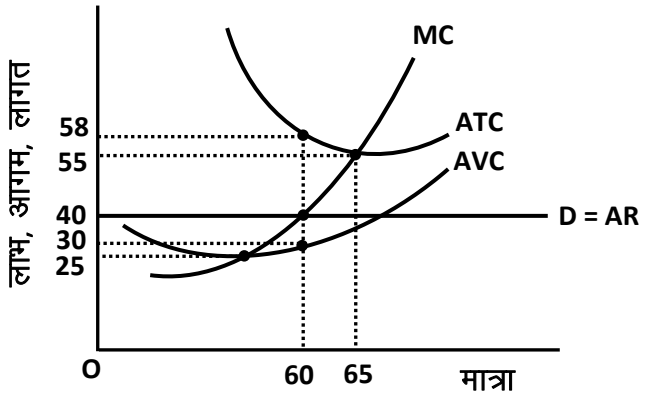

चित्र 1

2. (क) हैक्शर-ऑहलिन सिद्धांत का आरंभ ही वहां से होता है जहां रिकार्डो का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत समाप्त होता है''। चर्चा करें। **(5)**

(ख) दो देशों A, B पर विचार करें जो क्रमशः पूंजी और श्रम बहुल है। दोनों देश X तथा Y वस्तुओं का उत्पादन और उपभोग करते हैं जो क्रमशः श्रम एवं पूंजी गहन हैं। संवृत्ति (व्यापार शून्यता) की स्थिति में देश A में X = 60 तथा Y = 80 का उत्पादन करता है जबकि देश B में इनका उत्पादन 85 और 50 इकाई क्रमशः होता है। व्यापार प्रारंभ होने के बाद A में क्रमशः 50 और 100 तथा B में 100 और 40 इकाइयों का उत्पादन होने लगता है। अब दोनों की देशों में X तथा Y की क्रमशः 75 और 70 इकाइयों का उपभोग होता है। हैक्शर-ऑहलिन सिद्धांत की सभी मान्यताओं को वैध मानकर इन प्रश्नों के उत्तर दें : **(15)**

(i) उत्पादन संभावना वक्रों और समअधिमान वक्रों का प्रयोग कर इस केस को स्पष्ट दर्शाएं।

(ii) देश A और B में से कौन-सा X का आयात करेगा तथा कौन Y का?

(iii) क्या एक देश द्वारा X का निर्यात दूसरे देश द्वारा इसके आयात के समान होगा? वस्तु Y के आयात-निर्यात के विषय में आप क्या कहेंगे?

(iv) दोनों देशों के लिए ही व्यापार सहित अवस्था में वस्तु X और Y के उत्पादन-उपभोग संयोजन से गुजरने वाली सरल रेखा का ढाल क्या दर्शाता है?

अथवा

(क) व्यापार के 'परम लाभ' सिद्धांत की 'तुलनात्मक लाभ' सिद्धांत से तुलना करें। किसी देश को ऐसी वस्तु के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ सुलभ हो सकता है जिसके उत्पादन में उसे परम रूप में कम दक्षता प्राप्त हो। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? एक उदाहरण का प्रयोग कर अपनी बात स्पष्ट करें। **(10)**

(ख) इस तालिका पर विचार करें जो देश A तथा B में X तथा Y वस्तुओं के उत्पादन में श्रम की आवश्यकताओं को दर्शा रही है। इसके आधार पर अगले प्रश्नों के उत्तर लिखें :

तालिका-1 : देश A तथा B में X और Y के उत्पादन में आवश्यक श्रम की मात्राएं

	वस्तु X	**वस्तु Y**
देश A	9	40
देश B	1	9

(i) A तथा B में से किस देश को X के उत्पादन में परम लाभ है तथा किसे Y के उत्पादन में? कारण बताएं।

(ii) A तथा B में से किस देश को X के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ है और किसे Y के उत्पादन में? कारण बताएं।

(iii) मान लें कि व्यापार के बाद दोनों देश अपनी-अपनी तुलनात्मक लाभ वाली वस्तु के उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त कर लेते हैं तो फिर X वस्तु के उत्पादन में किस देश को विशिष्टता प्राप्त होगी?

सत्रीय कार्य–2

इन मध्यमवर्गीय प्रश्नो के उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत हैं। 3x10=30

3. इन तीन प्रकार की बाज़ार संरचनाओं– अर्थात् पूर्ण-प्रतियोगिता, एकाधिकार तथा एकाधिकारी प्रतियोगिता के अंतर्गत फर्मों द्वारा आर्थिक लाभ कमा पाने की संभावनाओं की तुलना करें। **(10)**

अथवा

एकाधिकारी बाज़ार में मांग फलन $Q = 100 - 2P$ है जहां Q मात्रा तथा P कीमत है। कुल लागत $C(Q) = 10Q$ है। इस एकाधिकारी के लिए अधिकतम लाभ प्रदान करने वाली कीमत और मात्रा का परिकलन करें। इसका लाभ भी आंकलित करें। यह भी दर्शाएं कि संतुलन कीमत मांग की लोच पर आधारित अधि-आंकलन (Make up) के नियम का पालन करती है। **(10)**

4. एक ककुद माँग वक्र दर्शाते हुए समझाएं कि अल्पाधिकार में माँग वक्र में ककुदता क्यों आ जाती है। यह भी समझाएं कि तत्संगत सीमांत आगम वक्र असंतति क्यों आ जाती है। इस असंतति का स्तर किस बात पर निर्भर करता है? **(10)**

अथवा

(क) समूह (कार्टल) क्या है? कार्टल की स्थिरता पर टिप्पणी करें। **(5)**

(ख) अल्पाधिकार के अंतर्गत सहयोगात्मक (cooperative) एवं असहयोगात्मक (non-cooperative) व्यवहार के बीच अंतर बताइए। **(5)**

5. एक चित्र की सहायता से वह परम हानि स्पष्ट करें जो ऋणात्मक बाह्यता से जुड़ी होती है। ऐसी परम हानि की दशा में उत्पन्न क्षेम की हानि की समस्या का समाधान एक पीगूवादी कर किस प्रकार करता है? **(10)**

सत्रीय कार्य–3

इन संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर 100-100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक नियत हैं। 5x6=30

6. पूर्ण और अपूर्ण प्रतियोगिताओं में सीमांत उत्पादन के मूल्य (VMP) तथा सीमांत आगम उत्पादन (MRP) के बीच संबंध की तुलना करें।

7. रिकार्डों के लगान सिद्धांत की व्याख्या करें।

8. नैतिक जोखिम की समस्या क्या है?

9. भारतीय कृषि पर विश्व व्यापार संगठन (WTO) की नीतियों का क्या प्रभाव रहा है?

10. क्षेम अर्थशास्त्र के द्वितीय मूलभूत प्रमेय की व्याख्या करें।